RAJYA SABHA

Thursday, the 18th May, 2006/28 Vaisakha, 1928 (Saka)

The House met at eleven of the clock,

THE DEPUTY CHAIRMAN *in the Chair.*

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

*481. [The questioner (SHRIMATI S.G. INDIRA) was absent. For answer *vide* page 32]

राष्ट्रीय राजमार्ग सं॰ 57 और 57-क का विकास

*482. **श्री मंगनी लाल मंडल:** क्या पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पी॰एस॰ई॰डब्ल्यू॰ कोरिडोर के रूप में लगभग 7300 किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग को चार लेन वाले राजमार्ग के रूप में विकसित और निर्मित किया जा रहा है;

(ख) क्या यह सच है कि निर्माण की प्रक्रिया बहुत धीमी गति से चल रही है;

(ग) क्या यह सच है कि पूरब-पश्चिम कोरिडोर के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 57 एवं 57क के मामले में स्थिति ज्यों की त्यों है; और

(घ) यदि हां, तो उक्त तीनों खंडों के आलोक में अद्यतन स्थिति के साथ तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री (श्री टी॰ आर॰ बालू): (क) से (घ) एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है।

(क) जी हां। इस कॉरीडोर का नाम उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम महामार्ग है।

(ख) जी नहीं। उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम महामार्ग की 7300 कि॰मी॰ लंबाई में से 981 कि॰मी॰ लंबाई राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना चरण-I तथा शेष लंबाई राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना चरण-II के अंतर्गत अनुमोदित की गई है। उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम महामार्ग के अंतर्गत 822 कि॰मी॰ राष्ट्रीय राजमार्गों को राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना चरण-I के अंतर्गत चार-लेन का बनाया गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना चरण-II में

4892 कि०मी० के लिए कार्य सौंपा जा चुका है और इनमें से अधिकांश लंबाई के कार्य हाल ही में सौंपे गए हैं। वन्य प्राणी उद्यान के एतराज के कारण लगभग 232 कि०मी० महामार्ग के पुनर्संरेखण करने की आवश्यकता है। जम्मू और कश्मीर में 318 कि०मी० पर्वतीय और जटिल क्षेत्र है। शेष खंडों में इन सभी कार्यों को सितंबर, 2006 तक सौंप दिए जाने की संभावना है।

(ग) और (घ) मुजफ्फरपुर से पूर्णिया तक राष्ट्रीय राजमार्ग 57 पूर्व-पश्चिम महामार्ग का हिस्सा है। इस खंड पर सभी सिविल कार्यों के ठेके पहले ही सौंपे जा चुके हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग 57ए का फारबिसगंज-जोगवानी खंड की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार किए जाने का कार्य भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को सौंप दिया गया है क्योंकि इस खंड को राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना चरण-II ख के अंतर्गत ही अनुमोदित किया गया है। पेव्ड शोल्डर के साथ दो लेन बनाने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी हो चुकी है। राष्ट्रीय राजमार्ग 57 पर ठेकों के ब्यौरे विवरण-I में दिए गए हैं।

विवरण-I

बिहार में राष्ट्रीय राजमार्ग 57 के पूर्णिया-मुजफ्फरपुर खंड की स्थिति

क्रम सं०	पैकेज	राज्य	परियोजना चैनेज		निविदा लागत (करोड़ रु०)	स्थिति
			से	तक		
1.	सी-II/बीआर-1 (पूर्णिया-फारबिसगंज)	बिहार	310.000	268.000	282.00	सौंपा गया
2.	सी-II/बीआर-2 (पूर्णिया-फारबिसगंज)	बिहार	268.000	230.000	318.00	सौंपा गया
3.	सी-II/बीआर-3 (फारबिसगंज-सिमराही)	बिहार	230.000	190.000	356.51	सौंपा गया
4.	सी-II/बीआर-4 (सिमराही-रिंगबंड)	बिहार	190.000	165.000	115.00	सौंपा गया
5.	सी-II/बीआर-5 (कोसी पुल)	बिहार	165.000	155.000	418.00	सौंपा गया (बीओटी वार्षिकी)
6.	सी-II/बीआर-6 (रिंगबंड-झंझारपुर)	बिहार	155.000	110.000	383.00	सौंपा गया
7.	सी-II/बीआर-7 (झंझारपुर-दरभंगा)	बिहार	110.000	70.000	388.00	सौंपा गया
8.	सी-II/बीआर-8 (दरभंगा-मुजफ्फरपुर)	बिहार	70.000	36.000	323.00	सौंपा गया
9.	सी-II/बीआर-9 (दरभंगा-मुजफ्फरपुर)	बिहार	36.000	0.00	335.00	सौंपा गया

Development of NH Nos. 57 and 57-A

†*482. SHRI MANGANI LAL MANDAL: Will the Minister of SHIPPING, ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a length of about 7300 kilometers of National Highways is being developed as PSEW corridor and built into a four lane highway.

(b) whether it is also a fact that the process of construction is proceeding at a snail's pace;

(c) whether it is a fact that there is little change in the status with regard to National Highway Nos. 57 and 57-A on East-West corridor; and

(d) if so, the details of the latest position with regard to the above three stretches?

THE MINISTER OF SHIPPING, ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS (SHRI T.R. BAALU): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir. However, name of the corridor is North South and East West (NS-EW) corridor.

(b) No, Sir. Out of 7300 km length of North-South and East-West Corridor, 981 km has been approved under National Highways Development Project Phase-I and remaining length under National Highways Development Project Phase-II. 822 km of highways under North South & East West Corridors have been 4-laned under National Highways Development Project Phase-I. In National Highways Development Project Phase-II, the work has been awarded for 4892 kms, and most of these have been recently awarded. Nearly 232 km of corridor needs realignment due to wild life forest, 318 km is mountainous and difficult terrain in Jammu and Kashmir. All works in remaining stretches are likely to be awarded by September 2006.

(c) and (d) NH-57 from Muzaffarpur to Purnia forms part of East West Corridor. All civil work contracts on the stretch have already been awarded. Forbesganj-Jogbani Section of NH-57A has been entrusted to

† Original notice of the question was received in Hindi.

National Highways Authority of India for preparation of Detailed Project Report (DPR) as this section has been approved under National Highway Development Project Phase IIIB only. The DPR has been completed for 2-laning with paved shoulders. The details of contracts on NH-57 is enclosed as Statement-I.

Statement-I

Status of Purnea-Muzaffarpur Section of NH-57 in the State of Bihar

Sl. No.	Package	State	Project Chainage		Tendered Cost (Rs. in Crores)	Status
			From	To		
1	C-II/BR-1 (Purnea-Forbesganj)	Bihar	310.000	268.000	282.00	Awarded
2	C-II/BR-2 (Purnea-Forbesganj)	Bihar	268.000	230.000	318.00	Awarded
3	C-II/BR-3 (Forbesganj-Simrahi)	Bihar	230.000	190.000	356.51	Awarded
4	C-II/BR-4 (Simrahi-Ring Bund)	Bihar	190.000	165.000	115.00	Awarded
5	C-II/BR-5 (Kosi Bridge)	Bihar	165.000	155.000	418.00	Awarded (BOT Annuity)
6	C-II/BR-6 (Ring Bund-Jhanjharpur)	Bihar	155.000	110.000	383.00	Awarded
7	C-II/BR-7 (Jhanjharpur-Dharbhanga)	Bihar	110.000	70.000	388.00	Awarded
8	C-II/BR-8 (Darbhanga-Muzaffarpur)	Bihar	70.000	36.000	323.00	Awarded
9	C-II/BR-9 (Darbhanga-Muzaffarpur)	Bihar	36.000	0.000	335.00	Awarded

श्री मंगनी लाल मंडल : माननीय उपसभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो उत्तर दिया है, वह संतोषप्रद नहीं है और अस्पष्ट भी है। यह जो पूरब और पश्चिम राष्ट्रीय राजमार्ग है, जिसको इन्होंने चार लेन बनाने का निर्णय लिया है, उसकी प्रगति बहुत धीमी गति से हो रही है और सरकार ने निश्चित रूप से, यह लक्ष्य अभी तक घोषित नहीं किया है कि यह राष्ट्रीय राजमार्ग कब तक बन जायेगा? उत्तर प्रदेश की इसमें 4941 कि॰मी॰ सड़कें हैं, बिहार की 3300 कि॰मी॰ सड़कों में

से चार लेन की बनाने के लिए इसमें ली गई हैं। मैं दो बिंदुओं पर माननीय मंत्री जी से स्पष्टीकरण करना चाहता हूं। इन्होंने जो ठेके के बारे में उल्लेख किया है, उस राष्ट्रीय राजमार्ग की संख्या 57 है, जो बिहार में है, लेकिन इसमें कोई तिथि अंकित नहीं की गई है कि कब संवेदक को ठेका दिया गया है? कब तक की उसकी समय सीमा निर्धारित की गई है कि वह कब बनेगा? मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि बिहार की कुल लम्बाई जो 4 लेन सड़कों की है, गोपालगंज से लेकर किशनगंज, इस्लामपुर तक या जहां तक भी पड़े, कितनी लम्बाई है और उसमें से कितने में काम आबंटित किया गया है और कितने में काम आबंटित नहीं किया गया है अथवा ठेका नहीं दिया गया है और उसकी समय-सीमा क्या है? उस राष्ट्रीय राजमार्ग पर जो पुल बनने वाले हैं, उन पुलों के बारे में अभी तक पुणे से डिजाइन अंतिम रूप में होकर आये हैं या नहीं आये हैं? इसके बारे में, मैं माननीय मंत्री जी से पहले स्पष्टीकरण चाहूंगा।

SHRI T. R. BAALU: Sir, as far as Bihar is concerned, the total length of National Highway 57 that runs from Muzaffarpur to Purnea, is 310 kilometres. Work on the entire stretch has been awarded recently and the date for its completion is December 2008. As far as the entire North South and East West corridor is concerned, the length is Phase-I is 981 kilometres, phase-II 6240 kilometres, and altogether it is 7221 kilometres. We have completed work up to a length of 822 kilometres; the length of the ongoing project is 4892 kilometres. We have to award tenders for a stretch of 1481 kilometres.

As to why we could not award tenders, Sir, I can only say that it was because of the realignment in West Bengal and Assam; it was delayed because of the wildlife sanctuary. We have prepared the DPR.The total length is 232 kilometres.

In Jammu and Kashmir, as you know, Sir, it is a very difficult terrain. We have to have many tunnels and because of the adverse climate we could not award tenders on time. The length is about 380 kilometres. We have to go for re-bidding as far as ADB projects are concerned, and that length is 252 kilometres. The DPR was somehow delayed because of the alignments in Tamil Nadu, Kerala and Maharashtra, the length of which is about 332 kilometres. Bids are in progress for a length of 347 kilometres.

श्री मंगनी लाल मंडल : उपसभापति महोदय, मुजफ्फरपुर से पूर्णिया तक प्रश्न के एक ही खंड का उत्तर हमने अभी माननीय मंत्री से आपके माध्यम से जानना चाहा था। उत्तर प्रदेश के मामले में और माननीय सदस्य पूछ सकते हैं, असम के बारे में पूछ सकते हैं, मैं बिहार के पोर्शन

के बारे में पूछना चाहता हूं कि बिहार की जो सीमा है, उसमें कुल कितनी लम्बाई इस मार्ग की है-और कितनी लम्बाई के लिए अभी तक इन्होंने ठेका दिया है? यह जो करीब 3000 करोड़ रुपए का इसमें उल्लेख किया है कि हमने आबंटित किया है, इसमें समय सीमा क्या है, कब इन्होंने आबंटित किया और कब इसे पूरा करेंगे? इन्होंने 2008 की चर्चा की है लेकिन अभी तो काम प्रारम्भ ही नहीं हुआ है। कोसी पुल उसमें सबसे बड़ा पुल है, पूर्णिया-मुजफ्फरपुर के बीच में करीब तीन या चार किलोमीटर लम्बा पुल बनेगा, उस पुल के बारे में भी मैंने आपके माध्यम से इनसे जानना चाहा है। किन्तु माननीय मंत्री जी ने इसका जवाब नहीं दिया। इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि इस पुल की क्या स्थिति है? गोपालगंज से लेकर किशनगंज तक की क्या स्थिति है, कब इसे पूरा करेंगे? दूसरा, एनडीए सरकार के समय में यह निर्णय लिया गया था, जिसको यूपीए सरकार ने मान लिया कि जो राष्ट्रीय राजमार्ग-4 की सड़क गुजरेगी और स्वर्णिम चतुर्भुज पथ गुजरेगा, उसके दाएं-बाएं अगर कोई व्यावसायिक केन्द्र का शहर होगा, राजधानी होगी या कोई ऐतिहासिक शहर पर्यटन के दृष्टिकोण से होगा तो उसको भी जोड़ा जाएगा। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि मुजफ्फरपुर से वह सड़क गुजर रही है, पटना करीब 80 किलोमीटर दाईं ओर से है, इसलिए पटना और मुजफ्फरपुर को जोड़ने की क्या योजना है और स्वर्णिम चतुर्भुज खुद डोभी से गया जिले में गुजरता है इसलिए डोभी से गया, गया से पटना को क्या सरकार जोड़ना चाहती है? माननीय मंत्री जी कृपया इस प्रश्न का भी जवाब दें।

SHRI T. R. BAALU: Sir, I want to reply to the second part of the hon. Member's supplementary first. Muzaffarpur to Patna is in NHDP Phase IIIA. We invited bid for it. The bid was open for more than eight months but nobody responded. Once again, we are going for retendering because we want to give special attention to Bihar. We have identified about 890 kilometres to be included in Phase-III and the Prime Minister was kind enough to accept it. We want the Cabinet to change it from IIIB to IIIA, so we will be taking it to the Cabinet shortly. So far as his first supplementary is concerned, I have already replied that 310 kilimeters project from Muzaffarpur to Purnea on NH-57 has been awarded. We have got 20 kilometers two-lane, 145 kilometers of intermediate lane and single lane of 85 kilometers. We can accept these things. But there is a missing link of 60 kilometers and also a Kosi bridge. These things we have to see. We have to build an embankment of 7 meters, about 22 or 23 feet of new embankment. For that DPR has been prepared. We have awarded the tenders. All the nine tenders have been awarded. They will get their own time to start the work. However, it will be started very soon.

श्री मंगनी लाल मंडल : सर, मुझे आपका संरक्षण चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: आपके दो सप्लीमेंटरी हो चुके हैं। ...(व्यवधान)...

श्री मंगनी लाल मंडल: माननीय मंत्री जी ने हमारे प्रश्न का उत्तर नहीं दिया है। ...(व्यवधान)... उन्होंने केवल राष्ट्रीय राजमार्ग नं० 57 का उत्तर दिया है, मैं जानना चाहता हूं कि ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : आप चिट्ठी लिखिए, वे उसका जवाब दे देंगे।

श्री मंगनी लाल मंडल : मैं जानना चाहता हूं कि गोपालगंज से मुजफ्फरपुर की क्या स्थिति है? उसके बारे में उन्होंने नहीं बताया है। मुझे आपका संरक्षण चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : श्री रामदास अग्रवाल। ...(व्यवधान)...

श्री मंगनी लाल मंडल : पूरक प्रश्न में 57 का उत्तर दिया, गोपालगंज से मुजफ्फरपुर की क्या स्थिति है, उन्होंने नहीं बताया। ...(व्यवधान)... सर, मैं आप ही से निवेदन कर सकता हूं।

श्री उपसभापति: अगर आप और डिटेल में जानना चाहते हैं तो मंत्री जी का चिट्ठी लिख दीजिए, वे जवाब दे देंगे।

श्री मंगनी लाल मंडल : आधे का उत्तर दिया है, आधे का नहीं दिया। वे तैयार नहीं हैं।

श्री रामदास अग्रवाल: उपसभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं—मेरे प्रश्न का पहला भाग है—कि कई बार मीडिया में ऐसे समाचार छपते हैं कि जो पैसा सेस के रूप में नेशनल हाइवेज़ या स्वर्णिम चतुर्भुज योजना के लिए इकट्ठा किया गया है, क्योंकि ऑयल पूल में बहुत लॉस हो रहा है, इसलिए उस पैसे का पूरा उपयोग नेशनल हाइवेज़ के डेवलपमेंट के लिए करने में सरकार को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, क्या यह सच है? दूसरा, जो योजनाएं बनायी गयी थीं, पिछली सरकार के द्वारा, उन योजनाओं में किन-किन योजनाओं में किन-किन योजनाओं को आपने पूरा किया है...। और किन योजनाओं को आपने स्लो करने के लिए आदेश निर्देश या इनडायरेक्टली, डायरेक्टली कहा है या उनका काम पूरा क्यों नहीं हो रहा है, इसकी जानकारी देने का कष्ट करें।

SHRI T. R. BAALU: Sir, it is totally out of context of this question.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Ravula Chandra Sekar Reddy.

श्री रामदास अग्रवाल : सर, ...(व्यवधान)...

श्री जयन्ती लाल बरोट : उपसभापति महोदय ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : डायरेक्ट इसका संबंध नहीं है, उनका यह कहना है।

श्री जयन्ती लाल बरोट : कैसे संबंध नहीं है? ...(व्यवधान)... MR. DEPUTY CHAIRMAN: The question is ...*(Interruptions)*. आप बोलिए। ...(व्यवधान)...

श्री जयन्ती लाल बरोट : अगर माननीय मंत्री जी जवाब नहीं देंगे, तो क्या करेंगे?

श्री उपसभापति : नहीं, नहीं, आप देखिए, यह फाइनेंस ...(व्यवधान)...

श्री जयन्ती लाल बरोट : वे इससे बचना चाहते हैं, वे तैयारी नहीं करके आए हैं। ...(व्यवधान)... कोई मंत्री तैयारी नहीं करके आता है और पूरा जवाब नहीं देता है। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : यह जो सवाल है, "whether it is a fact that a length of about 7300 kilometres of National Highways is being developed as PSEW corridor and built into a four lane highway." इस पर सवाल कीजिए।

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, I will confine myself to the question. I would like to refer to parts (a) and (b). On the North-South corridor of National Highway number 7, which connects Hyderabad and Bangalore, it was targeted to be completed by 2007. The stretch between Hyderabad and Kurnool is about 210 kilometres and the hon. Minister was also kind enough in promising to this august House that it will be completed by 2007. As of now, it is going on at a snail's pace. Is the Minister sticking to the original programme, or is there any deviation? I am told that cancellation of contracts and other things are taking place, more particularly on this National Highway number 7.

SHRI T. R. BAALU: All I can say is that I am trying to stick to the original programme.

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: He says that he is trying to stick to the original programme. I want a categorical reply.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: How can you expect... *(Interruptions)*.

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, I have put a specific question.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He has already given by what time the project is going to be completed.

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: But, whether the contracts were also cancelled. That was my question.

SHRI T. R. BAALU: The Government will be completing it in entirety by December 2008, but as far as...*(Interruptions)*.

श्री मंगनी लाल मंडल : महोदय, प्रधान मंत्री जी की जितनी चिंता है, माननीय मंत्री जी चिंता को दूर करने का ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : आप बैठिए ...(**व्यवधान**)... मंडल जी, यह सही नहीं है। बीच में उठकर नहीं बोलना चाहिए, यह क्वेश्चन ऑवर है।

SHRI MANOHAR JOSHI: The hon. Minister, in his reply, says, "Nearly 232 kilometres of corridor needs realignment due to wild forest, — and also it is stated that — 318 kilometres is mountainous and difficult terrain in Jammu and Kashmir." My specific question to the hon. Minister is whether these natural difficulties were not brought to the notice of the Government by the planners at the time of designing and planning of the project because these things have not newly come. So, have those planners been asked about it? Have people, who made this mistake, been punished?

SHRI T. R. BAALU: I don't want to cast aspersions on the previous Government.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The question is whether the...*(Interruptions)*.

SHRI MANOHAR JOSHI: It is not a proper reply. I seek your protection, Sir. He was in that Government, and therefore, he can reply the question ...*(Interruptions)*. Actually, I am not asking about the Government, I am asking about the planners.

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: He was also a part of that Government. He was the Minister with the same portfolio.

SHRI T.R. BAALU: Actually, this is a new programme. As far as the Golden Quadrilateral corridor is concerned, it is a very laudable programme. The previous Government wanted to make an earnest effort. At the same time, the lines were drawn, the alignments were drawn, but they have not verified whether it passes through sanctuary or difficult terrain and all these things. Sir, it is a unique experience as far as India is concerned. That is why, previous Government would not have foreseen all these problems.

SHRI MANOHAR JOSHI: I do not agree with the Minister.

SHRI T. R. BAALU: Only at DPR stage, that is, detailed project report, they will...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He is not asking about previous Government; he is asking whether planners have not taken note of these things.

SHRI T.R. BAALU: Planners will not go. The physical verification will be done only during the reconnaissance survey. They would go to the site only during the time of preparation of DPR.

SHRI MANOHAR JOSHI: Sir, this is most surprising. *(Interruptions)* If the Planners. ...*(Interruptions)*... Sir, action should be taken.

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Sir, with the development of this country in general, the whole purpose of the development of these roads was that the speed could be increased. I fully agree that most of the roads that we are using are definitely much better. The time taken is, at least, 25 per cent less than what we needed earlier. But, Sir, with the kind of speed breakers that come on the way, sometimes, I don't understand whether the speed is being increased, or, these are road breakers, car breakers or backbone breakers. What control has the Government got over all this? Sir, slow-moving vehicles have not been removed from all these roads. Moreover, in addition to a number of other activities carried on both the sides of the roads, there are cows and other animals, which create danger not only for them but also for the vehicles that run on these roads. What is the Government's planning? Moreover, Sir, you can see anti-social elements on these roads operating in collusion with the police. They stop the vehicles and do all kinds of anti-social activities.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please put your question. आप सवाल कीजिए।

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Sir, these are all questions. What activities is the Government doing in this connection? What is the plan of the Government? Does the plan include setting up of trauma care centres on the sides of the roads in different parts of the country because with the increase in speed, we can expect more dangerous accidents also? Sir, my next question is ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Next question?

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Sir, what is the pace of work?

(Interruptions) All right, Sir. Thank you. Let him reply.

SHRI T.R. BAALU: Sir, firstly I would like to answer the second part of his question. He wanted to know about the pace of the work. The pace

of work during the regime of the NDA Government was 1.86 kilometres per day whereas the pace of work under the UPA Government is 4.15 kilometres per day as of now.

As far as speed control is concerned, we are providing access control on both the sides of the road and there is a centre-median also. With regard to the question of dacoity and other anti-social activities which disturb the vehicles that run on these roads, I would say that this is definitely a law and order problem of the particular State. At the same time, we do have our surveillance vehicles, which are always running to and fro. People can definitely report the matter to the staff on the surveillance vehicle. As far as trauma care is concerned, I have been interacting on this issue with the hon. Health Minister, Dr. Anbumani Ramdoss, and, we will provide more trauma care centres.

श्री दिग्विजय सिंह: उपसभापति जी, अभी जो सवाल श्री मंगनी लाल मंडल जी ने पूछा है, यह बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल है। मुझे यह लगता है कि राष्ट्रीय राजमार्ग और टेलीफोन्स, ये दो ऐसे विभाग हैं जिनसे देश को गौरव करने का मौका मिलता है। मुझे माननीय बालू साहब के जवाब को सुनकर हैरानी हो रही थी। मेरा उनसे यह कहना है कि सारा मजा तो आपने लिया और अब कह रहे हैं कि वह पिछली सरकार का काम था। सरकार कोई भी हो, काम तो वही करती है, ...(**व्यवधान**)... मैं वही तो कह रहा हूं। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: आप सवाल कीजिए।

श्री दिग्विजय सिंह: उपसभापति महोदय, मैं इस बात को इसलिए कह रहा हूं कि बालू साहब ने आपकी मौजूदगी और प्रधानमंत्री जी की मौजूदगी में सवाल को टाल दिया। यह बहुत गंभीर सवाल है कि देश में इस काम को करने के पीछे पिछली सरकार की एक मंशा थी और इस सरकार ने भी उसको शुरू किया है। हम तो केवल इतना चाहते हैं कि बिहार, जम्मू-कश्मीर और नार्थ ईस्ट ऐसे इलाके हैं, जहां पर पिछड़ेपन का बोझ बढ़ता चला जा रहा है। अगर राष्ट्रीय सहमति की कोई बात है तो यह राष्ट्रीय राजमार्ग एक सवाल है। अगर इस सवाल पर मंत्री जी का इस तरह का व्यवहार होगा तो मुझे दुख है कि हम इस सदन में अपनी बात का निवारण नहीं कर पाएंगे। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: यदि आपको कोई सवाल पूछना है तो पूछिए।

श्री दिग्विजय सिंह: महोदय, मैं इसीलिए उनसे सवाल पूछ रहा हूं कि यह जो टाइमफ्रेम वर्क दिया जाता है, यदि यह टाइमफ्रेम वर्क पूरा नहीं होता है, तो उचित नहीं है और यह कहना बिल्कुल गलत है कि प्लानर को बिल्कुल पता नहीं था कि जम्मू कश्मीर में कैसा terrain है

और बिहार में कोसी नदी में बार-बार बाढ़ आने का मौका कैसे आता है? यह सबको मालूम है और वही प्लानर आज भी इनके साथ है, जो पिछली सरकार ने बनाया था।

श्री उपसभापति: आप सवाल पूछिए। ...(**व्यवधान**)... सवाल पूछिए।

श्री दिग्विजय सिंह: इसलिए मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो time framework मंत्री जी ने दिया है, अगर उसमें वह काम पूरा नहीं होता है, तो इसकी जिम्मेदारी सरकार लेगी या उन ठेकेदारों को punish किया जाएगा, मैं इतना ही पूछना चाहता हूं ...(**व्यवधान**)

डा॰ एम॰एस॰ गिल: सर, एक सवाल पर आधा घंटा हो गया है। ...(**व्यवधान**)

श्री उपसभापति: यही मैं सदन से पूछना चाहता हूं ...(**व्यवधान**) हर मेंबर सप्लीमेंटरी पूछना चाहता हैं ...(**व्यवधान**)

SHRI T.R. BAALU: Sir the Government has proposed to complete all the project in North, South, East and West corridors only in December, 2008. Therefore, there is no delay I don't expect any delay in completion of these projects.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Question number 483 ...*(Interruptions)*...

श्री उदय प्रताप सिंह: सर, मैं एक सवाल पूछना चाहता हूं ...(**व्यवधान**)

श्री उपसभापति: आप इसके ऊपर half-an-hour का नोटिस दीजिए ...(**व्यवधान**) उदय प्रताप सिंह जी, देखिए, दूसरे मेंबर्स के भी questions हैं, एक ही question पर इतनी देर तक ...(**व्यवधान**)

Visa to visit Nankana Sahib

*483. KUMARI NIRMALA DESHPANDE: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the pilgrims travelling to Nankana Sahib from Amritsar by bus can get the visa at the entry point;

(b) if not, what steps are being taken to facilitate their travel; and

(c) the reasons for which pilgrims have to come to Delhi to get the visa to travel a short distance of a few kilometres?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI E. AHAMMED): (a) to (c) A Statement is placed on the Table of the House.